PG/IIIS/HIN-302/13

M.A. 3rd Semester Examination, 2013

HINDI

PAPER—HIN-302

Full Marks : 40

Time : 2 hours

The figures in the right-hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

Q. No. 5 अनिवार्य है वाकि प्रश्न में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए

1. 'गोदान' के औपन्यासिक शिल्प पर विचार कीजिए । 12

2. " 'रेहन पर रग्घू' नये युग की वास्तविकता की बहु स्तरीय गाथा है ।" — विवेचन कीजिए । 12

3. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की भाषिक संरचना पर विचार कीजिए । 12

4. 'मैला आंचल' में चित्रित समस्याओं पर प्रकाश डालिए । 12

5. किन्हीं *दो* अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 8 × 2

(*क*) मेरे जेहन में औरत वफा और त्याग की मूर्ति है, जो अपनी बेजबानी से, अपनी कुर्बानी से, अपने को बिलकुल मिटाकर पति की आत्मा का एक अंश बन जाती है । देह पुरुष की रहती है पर आत्मा स्त्री की होती है ।

(*ख*) चिन्ता उसकी होती है जिससे मोह होता है, प्रेम होता है; जिससे प्रेम ही नहीं, परिचय और सम्बन्ध ही नहीं, उसकी क्या चिंता ? खेत भी उसे पहचानते हैं जो उनके साथ जीता मरता है । वे खेतों को क्या पहचानेंगे, खेत ही उन्हें पहचानने से इनकार कर देंगे !

(*ग*) मानो वह हृष्टि पुण्य-रश्मियों से द्रष्टव्य को उद्भाषित कर रही थी, तीर्थ बारिधारा से प्लावित कर रही थी, तपस्या से पवित्र बना रही थी और सत्य के अन्तर्निहित ताप से हृदय के अशेष पाप-भावों को भस्म कर रही थी ।

(*घ*) जीवन की इस नई पगडंडी पर पाँव रखते ही उसे बड़े जोरों की थकावट मालूम हो रही है । वह राह की खूबसूरती पर मूग्ध

होकर छाँह में पड़ा नहीं रह सकेगा । मंजिल तक पहुँचने का यह कितना जबरदस्त रास्ता है जो राही को मंजिल तक पहुँचाने की प्रेरणा देता है ।

(ङ) हमारे गाँव में इन्कलाब की ओर यह पहला कदम है । जितना ज़्यादा जुल्म बढ़ेगा उतनी ही क्लास स्ट्रगल तेज़ होगी और आखिर में प्रोलतारी तबके की जीत होगी और पैदावार के तमाम साधन–ज़मीनें और मशीनें जनता की मलकीयत हो जायेंगी ।